तर्ज- छुपा लो यूं दिल में प्यार मेरा

तुम्हीं तो हो हमरे धाम दूल्हा,
जो बेठे हैं बीच में रूहों के
सुना सुना के ये वाणी चरचा,
मिटा रहे हैं धोखे रूहों के

1- तुम्हारा अर्श है दिल हमारा,
तुम आये के बैठो ए धनी जी
तुम अपनी रूहों को दिल में ले लो
और समा जानी तुम रूहों में

2- तुम्हारी पहचान क्यों है मुश्किल,
क्यों डाला है ये पर्दा दुई का
लिया है तुमने भी तन तो वैसा
कि जैसे तन हैं तेरी रूहों के

3- कि आप जाहेर हो जाओ अब तो,
ये खेल अटकाओगे कहां तक
जगा दो उनको भी प्यार देकर
जो तन अर्श में है रूहों के

4- कि आप ही अपनी देके साहेदी,
खुदा जमाने में होंगे रोशन
ये आप ब्रह्मवाक्य पूरे कर दो
कि बस तुम्हीं तुम हो हम रूहों के

Nijanand App